**Statement**

*Price recommended by Agricultural Prices Commission for 1979-80 Kharif season*

(Rs per quintal)

| Variety | Paddy | Coarse grains |
|---|---|---|
| Common . | 90 | 85 |

*Price demanded by State Governments*

(Rs per quintal)

| Name of State | Variety of paddy | Paddy | Coarse grains |
|---|---|---|---|
| Punjab | IR 8 | 94 | |
| | PR 106 | 109 | 11[illegible] for maize |
| Haryana | IR 8/Basmati | 96 | 121 for Bajra |
| | Parmal | 105 | 14[illegible] for maize |
| | Basmati | 121 | |
| Uttar Pradesh | Paddy | 9[illegible] | 90 |
| Andhra Pradesh | Common/Coarse | 120 | |
| Tamil Nadu | Coarse | 130 | |
| Orissa | , | 100 | 85 |
| Madhya Pradesh | | 1[illegible]5 | 125 |
| Gujarat | , | 100 | 90 for maize |
| Rajasthan | | 90 | 90 |

**आपरेशन फ्लड–2 के अधीन बटर आयल, वनस्पति तेल तथा खाद्य पदार्थ**

102. श्री ओम प्रकाश त्यागी
डा० रामजी सिंह :
श्री सी० के० चन्द्रप्पन

क्या कृषि और सिंचाई मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) आपरेशन फ्लड–2 के अन्तर्गत भारत को विदेशों से कितने मूल्य का बटर आयल, वनस्पति तेल तथा अन्य खाद्य पदार्थ प्राप्त होने की आशा है ;

(ख) क्या इन पदार्थों के अधिकाधिक उपयोग के लिये अथवा अधिक डेरियां स्थापित करने के लिये कोई योजना तैयार की गई है ; और

(ग) उक्त योजना से राज्य-वार कितने ग्रामीण लोगों को लाभ पहुंचने की आशा है ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) यूरोपीय आर्थिक समुदाय आपरेशन फ्लड–2 के लिये उपहार स्वरूप केवल 1,86,000 मीटरी टन स्किम दुग्ध चूर्ण तथा 76,200 मीटरी टन बटर आयल दान देने के लिये सहमत हुआ है । विदेशों से आपरेशन फ्लड–2 के तहत अन्य कोई खाद्य सामग्री प्राप्त होने की सम्भावना नहीं है । कार्यक्रम के अन्तर्गत इन जिन्सों के पुनर्मिश्रण द्वारा 206 करोड़ रुपये की धनराशि सृजित होने की आशा है ।

(ख) जी हां । राष्ट्रीय डेरी परियोजना का आपरेशन फ्लड–2 तैयार किया गया है और इस परियोजना को उपर्युक्त जिन्सों से पुनः तैयार किये गये दूध की बिक्री से आंशिक रूप से आर्थिक सहायता दी जाएगी ।

(ग) कृषक परिवारो की संख्या के बारे में एक विवरण संलग्न है ।

**विवरण**

| राज्य का नाम | कृषक परिवारों की संख्या |
|---|---|
| 1. जम्मू तथा कश्मीर | 1,30,000 |
| 2 पंजाब | 8,50,000 |
| 3. हिमाचल प्रदेश | 1,85,000 |
| 4 हरियाणा | 5,50,000 |
| 5. राजस्थान | 14,30,000 |
| 6 उत्तर प्रदेश | 14,45,000 |
| 7 महाराष्ट्र | 4,45,000 |
| 8 गुजरात | 11,80,000 |
| 9. मध्य प्रदेश | 2,90,000 |
| 10 कर्नाटक | 8,25,000 |
| 11 तमिलनाडु | 2,65,000 |
| 12 आंध्र प्रदेश | 9,30,000 |
| 13. बिहार | 8,20,000 |
| 14 पश्चिम बंगाल | 5,75,000 |
| 15 असम तथा मेघालय | 2,25,000 |

**सौराष्ट्र के कोलकी टेलीफोन एक्सचेंज में अनिर्णीत टेलीफोन कनेक्शन**

103. श्री धर्म सिंह भाई पटेल : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में राजकोट जिले के उपलेटा ताल्लुक में नागवदर गांव के दो टेलीफोन कनेक्शनों की माग कोलकी टेलीफोन कनेक्शनों की मांग कोलकी टेलीफोन एक्सचेंज में अनिर्णीत पडी है ;

(ख) यदि हां, तो ये कब से अनिर्णीत है और इसके लिये कहां और कितनी धनराशि जमा की गई है ;

(ग) नागवदर के लोगों को टेलीफोन कनेक्शन कब तक मिल जायेंगे जिनके आवेदन पत्र अनिर्णीत पड़े हैं ; और

(घ) उन्हें टेलीफोन कनेक्शन देने में किन कारणों से विलम्ब किया जा रहा है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) जी हां ।

(ख) दो कनेक्शन क्रमश: तारीख 21-3-78 और 18-12-78 से अनिर्णीत पड़े हैं । उपरोक्त तारीखों को दोनों व्यक्तियों ने 800 रुपये उपलेटा डाकघर में जमा कराये थे ।

(ग) और (घ). ये लम्बी दूरी के कनेक्शन हैं जिसके लिये भारी मात्रा में लाइन स्टोर की आवश्यकता है जो उपमंडल धोरजी मे आवश्यक लाइन स्टोर उपलब्ध होने पर ही लम्बी दूरी के कनेक्शनो क लिये अनिर्णीत पडी हुई प्रतीक्षा सूची मे उसकी बारी आने पर ही उपलब्ध हो सकेगा ।

**Admission in Universities and Schools in big Cities**

104. SHRI M. RAM GOPAL REDDY: Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the problem of admission to Universities and Schools in big cities has been assuming serious proportions; and

(b) if so, the steps taken by the Government to ease the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (SHRIMATI RENUKA DEVI BARAKATAKI): (a) and (b) The problem of admission to Universities and schools in big cities is not only of numbers but more in respect of preference for particular institutions and particular courses, the students themselves not necessarily having the requisite educational attainments. The universities prescribe minimum requirements for admission to the various courses in the university teaching departments and colleges, and subject to the limitation of seats in different courses in each institution, candidates fulfilling the minimum requirements are normally admitted. Besides, a large number of universities have provision for correspondence courses and also allow candidates to appear privately at their examinations.

It is primarily the responsibility of the State Governments/Union Territories to provide facilities for school